राजधानी
वर्ष 10 | अंक 277 | पृष्ठ : 24+8=32
मूल्य : तीन रुपये
7 राज्य • 1 केंद्रशासित प्रदेश • 19 संस्करण

अमर उजाला

लखनऊ
शनिवार, 7 अप्रैल 2018

घर पर नजर भी रखेगा स्मार्ट टीवी

एकेटीयू में 25 विद्यार्थियों के अभिनव विचारों का प्रस्तुतीकरण

अंतिम रूप से चयनित 10 मॉडल डॉ. कलाम लाइब्रेरी में होंगे प्रदर्शित

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में इस तरह के 25 अभिनव विचारों का शुक्रवार को प्रस्तुतीकरण हुआ। इन 25 में से 10 का अंतिम रूप से चयन हुआ। इन चयनित अभिनव विचारों के प्रोटो टाइप मॉडल विश्वविद्यालय की डॉ. कलाम लाइब्रेरी में एक साल तक रखे जाएंगे। प्रत्येक अभिनव विचार को विवि द्वारा 12 हजार रुपये का आर्थिक सहयोग भी दिया जाएगा।

इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव हैंडलूम व टेक्सटाइल मुकुल सिंघल ने युवाओं के अभिनव विचारों को सराहा। उन्होंने कहा कि तकनीकी के इस दौर में शोध व नवाचारों को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए इंटर डिसिप्लीनरी और ट्रांस डिसिप्लीनरी शोध कार्यों को बढ़ावा देना जरूरी है। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि इस समय मनुष्य व मशीन के बीच की दूरी खत्म करने के लिए शोध हो रहे हैं। जरूरत तकनीक और प्रकृति के मध्य सामंजस्य बनाने वाले शोध कार्य करने की भी है। डीन यूजी प्रो. विनीत कंसल ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अभिनव विचार एक

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंस, लखनऊ की बीटेक अंतिम वर्ष की छात्रा अंकिता उपाध्याय ने यूं ही फेंक दिए जाने वाले गोबर को खाद, बायोगैस व रिन्यूवल एनर्जी के रूप में प्रयोग करने का 'काऊ डंग सब्सक्राइब' नाम से मॉडल बनाया है। इसमें वेयर हाउस बनाकर गांव के लोगों को रोजगार दिया जाएगा, खाद का नर्सरी में बेहतर प्रयोग होगा। इससे बायोगैस भी बनेगी।

अभिनव विचार दो

केआईईटी गाजियाबाद की एमफार्मा प्रथम वर्ष की छात्रा श्रद्धा तोमर ने कॉस्ट इफेक्टिव इस्ट्रेलाइजेशन कैबिनेट 'कैबिएस्टर' ईजाद किया है। इसके माध्यम से घर व क्लीनिक-डिस्पेंसरी में प्रयोग होने वाले औजारों को कीटाणु मुक्त किया जा सकेगा। इसमें लगभग 4000 रुपये से एक एल्यूमिनियम बॉक्स तैयार किया है। इसमें नीचे केमिकल या पानी को गर्म कर भाप से ऊपर छन्नी में रखी उपकरणों को कीटाणु मुक्त किया जाएगा। इससे हरी सब्जी के कीटाणु भी मारे जा सकेंगे।

अभिनव विचार तीन

एबीईएस आईटी गाजियाबाद के बीटेक तृतीय वर्ष के छात्र हर्षित मिश्रा ने एक ऐसा 'स्मार्ट टीवी' ईजाद किया है जिसे मोबाइल से ऑपरेट कर सकेंगे। इससे कहीं से भी पूरे घर की निगरानी हो सकेगी। लगभग 5500 में 21 इंच का टीवी बनेगा। इसमें एलईडी कंट्रोलर बोर्ड व रेस वेरी पाई आदि से जोड़ा जाएगा। माइक्रो कंट्रोलर से इसे कंट्रोल किया जाएगा। मोबाइल में नेटवर्क स्कैनर एप डाउनलोड करके रेस वेरीफाई के आईपी एड्रेस को जाना जाएगा।